

Roll No

806
B.A./B.Com./B.T.S. (Previous) Diploma
Examination 2010
FKU-01
(Foundation Course/ आधार पाठ्यक्रम)
Foundation Course in Kumauni Language
कुमाउँनी में आधार पाठ्यक्रम

Time: 2 Hours
समय: 2 घण्टे

Maximum Marks : 35
पूर्णांक: 35

नोट:- इस प्रश्न पत्र के तीन खण्ड हैं। सभी खण्डों के अंकों का विवरण उस खण्ड में दिए गए प्रश्नों के सम्मुख दिया गया है।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ? **4x4=16**
- (क) भाषा और बोली में क्या अन्तर है ?
- (ख) पूर्वी एवं पश्चिमी बोलियों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।
- (ग) कुमाउँनी लोकगीतों को कितने वर्गों में विभाजित किया जा सकता है।
- (घ) लोकसाहित्य तथा परिनिष्ठत साहित्य में क्या अन्तर है ?
- (ङ) कुमाउँ के चार प्रमुख वाद्ययन्त्रों के नाम लिखिए।
- (च) कुमाउँनी साहित्य लेखन की परम्परा को कितने काल खण्डों में विभक्त किया गया है ?
- (छ) स्मारक साहित्य किसे कहते हैं, इसकी प्रमुख विद्याओं का परिचय दीजिये।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ? **4x2=08**
- (क) तत्सम् तथा तद्भव शब्द किसे कहते हैं, उदाहरण सहित लिखिये।
- (ख) 'संस्कृति' किसे कहते हैं।
- (ग) 'मन्याडर' कहानी का उद्देश्य क्या है ?

- (घ) कुमाउँ के चार प्रमुख त्यौहारों के नाम लिखिए।
- (ङ) थारुओं के कुल देवता कौन-कौन हैं, सामूहिक रूप में थारु किस की पूजा करते हैं।
- (च) कुमाउँनी लिखित साहित्य को प्रकाश में लाने वाली चार पत्रिकाओं के नाम लिखिये।
- (छ) 'मकरौठी' के लेखक का नाम लिखिये।

खण्ड-ग

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ?

10x½=05

- (क) दारुकावन शब्द खण्ड में आया है।
- (ख) गौलानदी का प्राचीन नाम है।
- (ग) 'ओड़ा' भेटने की रस्म मेले में निभाई जाती है।
- (घ) हिलजात्रा में अभिनेता द्वारा का प्रयोग किया जाता है।
- (ङ) 'अचल' पत्रिका का प्रथम अंक वर्ष में प्रकाशित हुआ।
- (च) 'जागर' गायन के समय बजाया जाता है।
- (छ) देवीधुरा में का मंदिर है।
- (ज) हिलजात्रा है।
- (झ) 'निसास' में कविताएँ संग्रहीत हैं।

4. सही कथनों के आगे (✓) और गलत कथनों के आगे (x) का निशान लगाइए।

12x½=06

1. 'जागर' कुमाउँ का लोकनृत्य है।
2. छपेली गद्य साहित्य की विधा है।
3. नाथ पंथियों के प्रभाव के कारण पुरातन शिव मंदिरों के नाम के साथ 'नाथ' जुड़ा है।
4. पं० बट्टीदत्त पाण्डे कुमाउँ के ज्योतिषाचार्य थे।
5. बालेश्वर मन्दिर गौला नदी के किनारे है।
6. मथुरादत्त मठपाल पुरातत्वविद् हैं।
7. 'जांठिक घुडुर के लेखक शेरदा 'अनपढ़' हैं।
8. अकरैणि माघ मास में मनाई जाती है।
9. सिसौण के रचियता 'वंशीधर पाठक' जिज्ञासु हैं।
10. कुमाउँनी लोकसाहित्य दृश्य काव्य के अन्तर्गत आता है।
11. 'चौमू' और 'बधाण' पशुओं के संरक्षक देव हैं।
12. केदारखण्ड को 'किरात मण्डल' कहा जाता था।